उन्नत टांका द्वारा वर्षा जल संचयन

पानी एक अनमोल संसाधन है जिसे संरक्षित करने की आवश्यकता है

वर्षा जल संचयन वह तकनीक है जिसके माध्यम से वर्षा जल को प्राकृतिक/कृत्रिम रूप से बने आगोर से वर्षा जल को इकट्ठा किया जाता है। संचियत किए गए वर्षा जल को एक उपयुक्त संरचना जैसे टांका आदि में आगे के प्रयोग के लिए भंडारित किया जाता है। टांका वर्षा जल के संग्रहण और भंडारण के लिए भूमिगत कुंड है। टांका की क्षमता वर्षा मान व आगोर की प्रकृति पर निर्भर करती है। उन्नत टांका परम्परागत टांके की तुलना में जीवन काल, रखरखाव, पानी की गुणवत्ता और अर्थशास्त्र की दृष्टि से बेहतर होता है।

उन्नत टांका

- गाद के प्रवाह को नियंत्रित करने के लिए प्रावधान
- ऊपर से ढका हुआ
- आर्थिक और कुशल डिजाइन
- 30 से अधिक वर्षों का जीवनकाल
- संचित पानी की स्वच्छता
- 3 से 4 साल की अवधि में निर्माण लागत की वसूली
- लाभ लागत अनुपात 1.3 से 1.4
- सुरक्षित पानी की निकासी
- कम रखरखाव
- छोटे आगोर की आवश्यकता

50 घन मीटर क्षमता वाला उन्नत टांका व जल की सुरक्षित निकासी के लिए हैंडपंप का प्रयोग

21 घन मीटर क्षमता वाला उन्नत टांका

छत से वर्षा जल संग्रहण

भाकृअनुप–केंद्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान के द्वारा विकसित किए गए उन्नत टांकों की बनावट को रेगिस्तान के बहुत बड़े विभाग में स्वीकृति मिली है और इस तरह के बहुत से टांकों का निर्माण विभिन्न संस्थानों के द्वारा किया गया है।

योगदान: **राजेश कुमार गोयल**
भाकृअनुप–केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान
जोधपुर 342 003 (भारत)
www.cazri.res.in

काजरी फैक्टशीट: 2021

CAZRI®
Enhancing resilience of arid lands